B

(This Question Paper contains 2 printed pages)

Your Roll No. …….

आपका अनुक्रमांक.....

S. No of Question Paper …….

प्रश्न पत्र का क्रमांक.....

Unique Paper Code : **12327901**

यूनिक पेपर कोड **: 12327901**

Name of the Course **: BA Hons (Political Science) CBCS/ DSE**

पाठ्यक्रम का नाम **: BA Hons (Political Science) CBCS/ DSE**

Title of Paper **: Citizenship in a Globalizing World**

Semester **: V**

सेमेस्टर **: V**

Time: 3 Hours **Maximum Marks: 75**

समय: **3** घंटे पूर्णांक: **75**

Note: Answers may be written either in English or Hindi but the same medium should be followed throughout the paper.
इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt **Any Four** questions.
All questions carry equal marks.
किन्हीं **चार प्रश्नों** के उत्तर दीजिए।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Citizenship represents the relationship between the state and its citizens. On the basis of this statement discuss T H Marshall's theory of citizenship.
नागरिकता राज्य और नागरिकों के बीच सम्बन्ध कर प्रतिनिधित्व करती है. इस कथन के आधार पर टी. एच. मार्शल के नागरिकता के सिधांत की विवेचना कीजिये।

2. What is citizenship? Critically examine the Classical notion of citizenship.
नागरिकता क्या है? नागरिकता की शास्त्रीय (क्लासिकल) अवधारणा का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये।

3. What is multiculturalism? Can multiculturalism resolve the problems of diverse society?
   बहुसंस्कृतिवाद क्या है? क्या यह विविध समाज की समस्याओं को हल करता है?

4. What is globalization? Examine the impact of globalization on state and citizenship.
   वैश्वीकरण क्या है ? राज्य और नागरिकता पर वैश्वीकरण के प्रभाव का परीक्षण कीजिये।

5. What is cosmopolitanism? Why has the idea of cosmopolitanism acquired importance in recent years?
   सर्वदेशवाद क्या है? हाल के वर्षों में सर्वदेशवाद का विचार क्यों महत्वपूर्ण हो गया है?

6. "We have a strong moral obligation towards people suffering from severe poverty." Examine the concept of global Justice in view of this statement.
   'भयंकर गरीबी से पीड़ित लोगों के प्रति हमारा प्रबल नैतिक दायित्व है'। इस कथन के आलोक में वैश्विक न्याय की अवधारणा का परीक्षण कीजिये।